

न्यायालय— शरद जोशी, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, अंजड जिला
बडवानी म.प्र.

आप0प्र0क0— 273 / 2018
आर.सी.टी. कं. 292 / 18
संस्थापन दिनांक—22.05.2018

मध्यप्रदेश राज्य द्वारा आरक्षी केन्द्र ठीकरी,
जिला बडवानी म0प्र0

.....अभियोगी

विरुद्ध

सुनिल पिता प्रेमलाल उम्र 26 साल,
निवासी सेंगवाल थाना ठीकरी,
जिला बडवानी म0प्र0

.....अभियुक्त

// निर्णय //

(आज दिनांक 22.05.2018 को घोषित)

01— अभियुक्त सुनिल पिता प्रेमलाल के विरुद्ध 34 (1) आबकारी अधिनियम के अंतर्गत दिनांक 12.04.2018 को समय 22:00 बजे स्थान— सेंगवाल फाटा जायसवाल ढाबे के सामने ठीकरी, थाना ठीकरी पर आपके आधिपत्य में वैध अनुज्ञप्ति के बिना 15 क्वाटर देशी प्लेन शराब झोले में रखने का आरोप है।

02— प्रकरण में उल्लेखनीय तथ्य है कि, अभियुक्त के द्वारा स्वेच्छा पूर्वक अपराध स्वीकार किया गया है।

03— अभियोजन कथन संक्षेप में इस प्रकार है कि, दिनांक 12.04.2018 को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि एक व्यक्ति ढाबे के सामने अवैध रूप से शराब लेकर खड़ा है, सूचना पर विश्वास कर हमराही पंचान प्रदीप पिता लक्ष्मीनारायण एवं शम्भु पिता पूनमचंद को तलब कर सूचना से अवगत कराकर साथ लेकर मुखबिर के बताये स्थान के पास पहुंचे। थोड़ी देर बाद एक व्यक्ति हाथ में सफेद रंग का झोला लिये खड़ा था। जिसे रोककर नाम पता पूछते अपना नाम सुनिल पिता प्रेमलाल का होना

निरंतर.....

बताया। अभियुक्त सुनिल पिता प्रेमलाल के पास मिले थैली को चेक करते उसके अंदर 15 क्वाटर देशी प्लेन शराब झोले में होना बताया। शराब लाने ले जाने का लायसेंस पूछने पर नहीं होना बताया। अभियुक्त सुनिल पिता प्रेमलाल का उपरोक्त कृत्य धारा 34 ए आबकारी एक्ट का पाया जाने से पंचान के समक्ष अभियुक्त सुनिल पिता प्रेमलाल के कब्जे से 15 क्वाटर देशी शराब झोले में जप्त की जाकर विधिवत् जप्ति व अभियुक्त को गिरफ्तार कर गिरफ्तारी पंचनामा बनाया गया। अभियुक्त के विरुद्ध थाने के अप0 क्र0 127/18 पर प्रथम सूचना पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण विवेचना में लिया गया तथा विवेचना उपरांत अभियुक्त सुनिल पिता प्रेमलाल के विरुद्ध अभियोग पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

04— प्रकरण में अभियुक्त सुनिल पिता प्रेमलाल ने अपराध स्वीकार किया। अभियुक्त को दंड का परिणाम से अवगत कराया गया और उसे समझाया गया कि वह संस्वीकृती करने के लिये आबद्ध नहीं है। किन्तु अभियुक्त के द्वारा अपराध समझने के उपरांत प्रश्नगत दिनांक को अपने आधिपत्य में बिना अनुज्ञप्ति के 15 क्वाटर देशी शराब झोले में रखना स्वीकार किया है। अतः स्वेच्छापूर्ण की गई संस्वीकृती के आधार पर अभियुक्त को धारा 34 (1) आबकारी अधिनियम के आरोप में दोषसिद्ध किया जाता है।

05— अभियुक्त को धारा 34 (1) आबकारी अधिनियम के आरोप में न्यायालय उठने की सजा एवं 1000/- रु के अर्थदंड से दंडित किया जाता है। अर्थदंड की राशि अदा नहीं किये जाने पर 07 दिवस का सश्रम कारावास भुगताया जावे।

06— प्रकरण में जप्त शुदा 15 क्वाटर देशी शराब झोले में मूल्यहीन होने से नष्ट की जावे।

निर्णय खुले न्यायालय में हस्ताक्षरित
व दिनांकित कर घोषित किया गया

मेरे निर्देशन व बोलने पर
टंकित किया गया।

सही /—

सही /—

(शरद जोशी)
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
अंजड जिला बड़वानी म0प्र0

(शरद जोशी)
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
अंजड जिला बड़वानी म0प्र0